स्वतंत्रता और लोकतंत्र पर जे.एस. मिल के विचार

Dr.Vini Sharma

J.S Mill

Concept of Liberty

सवतंत्रता की अवधारणा

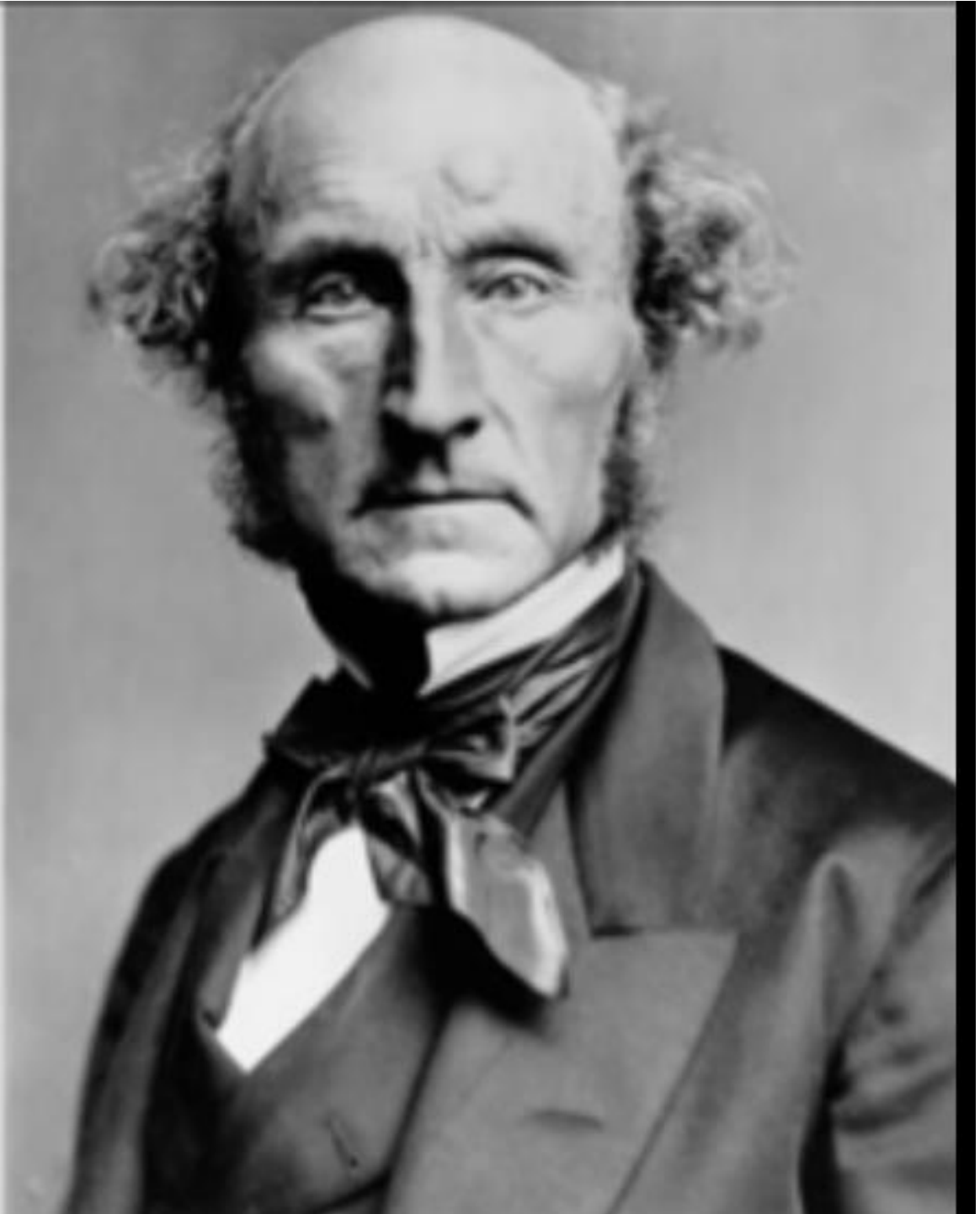

- मिल के चिंतन में सबसे महतवपूर्ण उनकी सवतंत्रता की अवधारणा है

- मिल के सवतंत्रता सबन्दी विचार उनकी
Book- On Liberty में मिलते हैं

- मिल के सवतंत्रता सिद्धांत का उदेश्य है वियक्ति के वियक्तितव का विकास ता की ता समाज एक विशेष दिशा में विकास कर सके
- मिल के अनुसार वियक्ति के लिए दो प्रकार की सव्तंत्रताएं जरुरी है :
विचार और भाषण की सवतंत्रता/ कार्य की सवतंत्रता

विचार और भाषण की सवतंत्रता :

- यह जरुरी नहीं जिस बात को **Mainstream** मानती है वो सही भी हो इस
लिए सभी को बोलने का अधिकार होना चाहिए, ता की समाज
का विकास हो सके
- समाज से अंधविश्वास को कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए
जरुरी है तर्क का उदय
- सभी तरह के विचारों को (आवाजों को) उठने की सरकार को सवतंत्रता
देनी चाहिए ता की सत्य सामने आये। असत्य विचारों को भी सामने आने क
सवतंत्रता हो इससे सत्य की **Credibility** और ज्यादा बढ़ती है
- विचार की सवतंत्रता से वियक्ति सुख प्राप्त करता है (उपयोगतवाद)

कार्य की सवतंत्रता :

- भाषण और कार्य की सवतंत्रता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं
विचार की सवतंत्रता का तभी कोई मतलब है अगर उसे हम **practice** में
भी लाने दे
- वियक्ति के विकास के लिए जरुरी है उसे कार्य की सवतंत्रता हो
कार्य दो प्रकार के होते हैं : कार्य करने वाले से सबंधित कार्य और दूसरों से
सबंधित कार्य
- अपने आप से जुड़े कार्यों में राज्य को कोई देख नहीं देना चाहिए

- मानव को अपनी शक्तियों का विकास करने के लिए एक खास तरह के **Environment** की जरुरत होती है जो वो खुद **create** करता है, उसे यह करनी की सवतंत्रता हो

- दूसरों से जुड़े कार्यों पर रोक लगाई जा सकती है

J.S Mill

Utilitarianism

उपयोगितावाद

हम मिल के विचारों को बेन्थैम के **Context** में ही समझेंगे क्यूंकि मिल ने बेन्थैम की अवधारणा की कमिया दूर करने का ही काम किया है

- मिल के उपयोगितावाद सबन्दी विचार उनकी **Book** **Utilitarianism** में दर्ज हैं

मिल एक बेन्थमवादी विचारक के रूप में चितन करना शुरू करते हैं बाद में अपने खुद के सिद्धांत पेश करते हैं

- मिल ने बेन्थैम के उपयोगितावाद और बाकि अवधारणाओं में समय के अनुसार संशोधन किया
- मिल के संशोधन के बाद उप्योगतिवाद का सवरूप ही बदल जाता है

मानव सवभाव : बेंथम के अनुसार मानव स्वार्थी है और हमेशा सुख की पीछे भागता है, मानव जीवन का उदेश्य सुख की प्राप्ति है , इसके साथ मिल ने जोड़ा की मानव सुख चाहता है पर अपना सुख भी और दूसरे का भी, वो अपने लिए स्वार्थी है लेकिन दूसरे के लिए त्याग भी सकता है

सुखों की गुणात्मक पक्ष पर जोर दिया **Quality of Pleasure :** बेंथम के अनुसार सुखों की **Quality** में कोई **Difference** नहीं होता इसके विपरीत मिल ने हमे समझाया सभी सुख एक जैसे नहीं होते

उपयोगितावाद सिर्फ भौतिकता तक सिमित नहीं है, मानव अपनी मानवता और मानवी मूल्यों को बचाने के लिए भौतिक सुखों को त्याग सकता है : सुकरात, **Jesus**, मन्सूर

Difficulty in Felicific Calculus : सभी सुखों की **Quality** अलग है इस लिए हम सुखों को **accurately measure** नहीं कर सकते हैं। सभी के लिए सभी वस्तुएं एक जैसा सुख भी नहीं देती हैं

बेंथम नैतिकता को अपने दर्शन में जगह नहीं देता, वो कहता है वियक्ति
ुखों के पीछे भागता है और नैतिकता जैसे मूल्यों की परवाह नहीं करता।
मेल कहता है मानवी चेतना या फिर सवभाव प्रेम त्याग और कर्तव्य जैसी
भावनाओ से बना है इस लिए नैतिकता इसका आधार है

बेंथम राज्य की आर्थिक क्षेत्र में दखल अंदाजी को गलत मानता है वहीँ
मेल के अनुसार राज्य इसमें दखल दे **regulate** करे नहीं तो गरीबों का
शोषण होता है

J.S Mill

प्रतिनिधत्व शासन

Representative Government

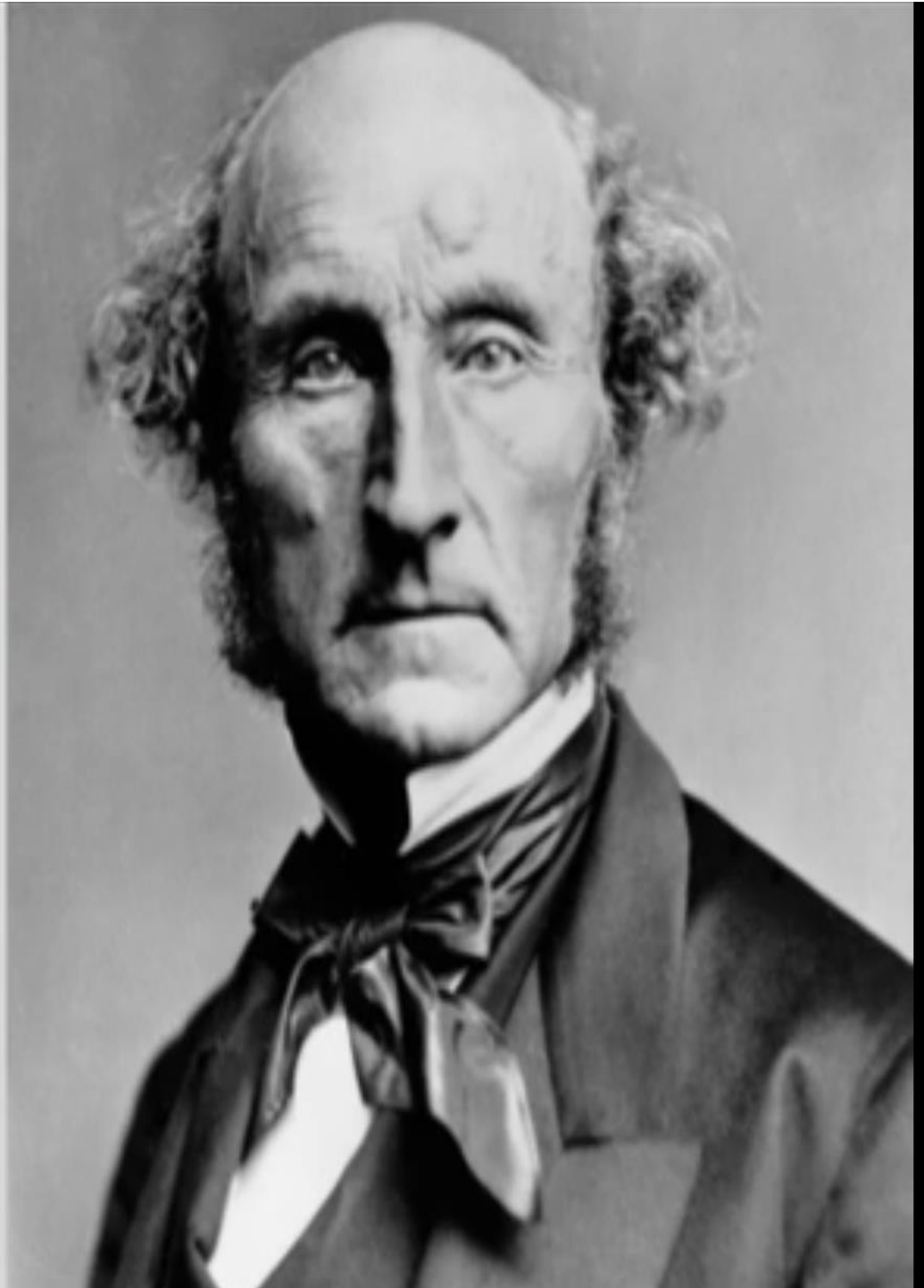

Plural Vote :

- सभी विआक्तीओं को एक सामान मत का अधिकार नहीं होना चाहिए

सभी विआक्तीओं की नैतिक और बौद्धिक क्षमता अलग अ
होती है इस लिए ज्यादा क्षमता वाले लोगों को एक से ज्याद

Vote करने का अधिकार होना चाहिए

- केवल उन्ही लोगों को मत का अधिकार हो जिन्होंने अपन
Basic Education पूरी की हो और **Tax** देता हो

Proportional Representation आनुपातिक प्रतिनिधित्व

- संसदीय लोकतंत्र में बहुमत प्राप्त दल या वर्ग **Minority** के हित्तों को **Ignore** करते है, इस लिए संसद में अनुपातिक प्रतिनिधत्व के आधार पर (सामान प्रतिनिधत्व) अलग अलग वग के प्रतिनिधि होने चाहिए

Majority minority के साथ अत्याचार कर सकती है।

Open Polling खुला मतदान :

- मतदान गुप्त नहीं बल्कि खुला/ **Open** होना चाहिए

- गुप्त मतदान से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है

- मतदान एक जनतक कर्तव्य है इस लिए इसे जनता के सामने औ
Candidate के सामने ही होना चाहिए

कानून निर्माण के कार्य के लिए एक 'कानून आयोग' बनाना चाहिए, कार्य पालिका को इस काम को नहीं करना चाहिए क्युकी यह जटिल कार्य है। कानून आयोग द्वारा बनाये गए कानून पास संसद ही करेगी।

-Right to Vote for Women

- महत्वपूर्ण तथ्य

"ऑन लिबर्टी"ग्रन्थ किसकी रचना है-जे.एस.मिल की।

किसने उपयोगीतावाद का संशोधित विचार दर्शन प्रस्तुत किया-जे.एस.मिल ने।

वह विचारक जो भैतिक सुख के साथ-साथ नैतिक सुख पर भी बल देता है-जे.एस.मिल।

"एक सन्तुष्ट सूअर होने की अपेंक्षा एक असन्तुष्ट मनुष्य होना अधिक अच्छा है"यह विचार है -जे.एस. मिल के।

कौन सा विचार जे.एस.मिल का नही है-सब सुख समान है अतः खेलने मे उतना ही आनन्द आता है जितना काव्य पाठन मे।

कौन सा विचार जे.एस.मिल का है-सुखो की मात्रा मापतौल नही की जा सकती।

किस विचारक के अनुसार सुख मे केवल मात्रा का ही नही गुणो का भी भेद होता है- जे.एस.मिल के अनुसार।

"यदि विद्धवान असन्तुष्ट है तो वह सन्तुष्ट मूर्ख से कहीं अधिक अच्छा है।"यह कथन है-जे.एस.मिल के।

किस विचारक की गणना स्वतन्त्रता के महानतम पुजारियों मे की जाती है-
जे.एस.मिल की।

जे.एस मिल ने स्वतन्त्रता के लिए किसे खतरा नही बताया है-अल्पमत को।

जे. एस.मिल ने स्वतन्त्रता के लिए किसे खतरा बताया है-
बहुमत को।

"निश्चित ही व्यक्ति की स्वतन्त्रता आवश्यक है किन्तु दूसरो की स्वतन्त्रता का बलिदान करके नही।"यह कथन किस विचारक के है- जे.एस.मिल।

Dr. Vini Sharm

जे.एस.मिल किसके लिए प्रसिद्ध है-विचार और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के लिए।

जे.एस.मिल समर्थन नही करते-सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का।

जे.एस.मिल ने समर्थन किया है-आनुपातिक प्रतिनिधित्व का।

बहु सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र का समर्थन किस विचारक द्वारा किया गया है-जे.एस.मिल द्वारा।

किस विचारक के अनुसार "विचार अभिव्यक्ति को रोकना मानव जाति की आने वाली तथा वर्तमान नस्लों को लूटना है।"-जे.एस. मिल के अनुसार।

किसके अनुसार मुक्त प्रतिस्पर्द्धा पर लगा प्रत्येक प्रतिबन्ध एक बुराई है-ज.एस. मिल के अनुसार।